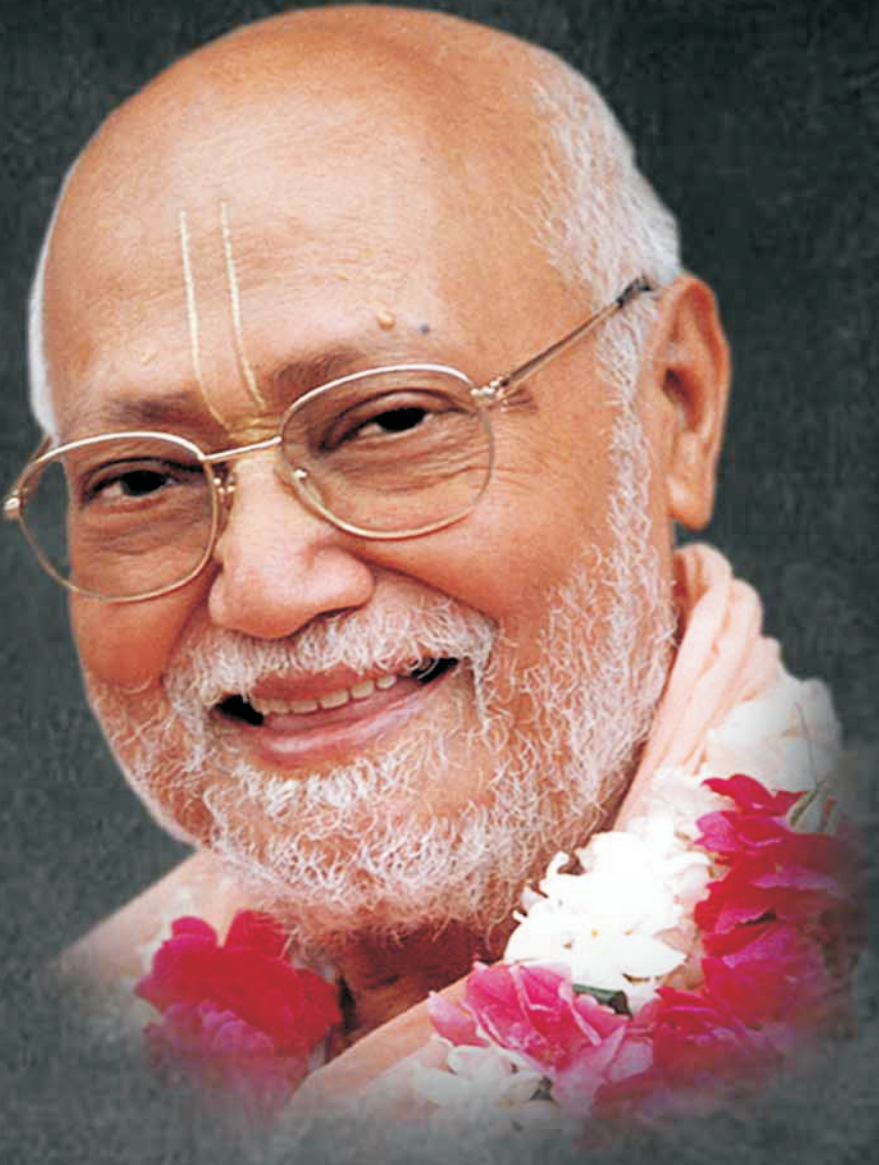


पावन जीवन चरित्र



श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र



निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

प्रथम खंड

भाग - 2

वंश परिचय

श्रीलगुरुदेव

श्रीश्रीगुरु-गौरांगौ जयतः

श्रील गुरुदेव जी के
पूर्वाश्रम के पितृवंश का परिचय
इस प्रकार मिलता है—आपके
दादाजी श्रीचण्डी प्रसाद देवशर्मा
वन्द्योपध्याय थे और आपके
पिता जी का नाम श्री निशिकान्त
देवशर्मा वन्द्योपाध्याय था।
आपके पिता जी का घर ढाका
के भराकर गाँव में था जो
विक्रमपुर परगना के टेगिबाड़ी
थाने के अन्तर्गत था। आपके

पिता जी तथा दादा जी विक्रमपुर
में एक स्वधर्मनिष्ठ व्यक्ति के
रूप में प्रसिद्ध थे। श्रीगुरुदेव जी
की माता जी का नाम श्रीमती
शैवालिनी देवी था। वह परम
भक्तिमती और देव-द्विज-साधु
सेवा परायण थी। जब श्री गुरुदेव
चार वर्ष के हुए तो आपका अपने
पिता जी से वियोग हो गया। तब
आपकी माता जी आपको लेकर
अपने भाईयों के घर चली आईं
और वहाँ ही आपका पालन
पोषण करने लगीं। यहाँ आपको
अपने मामा लोगों का बहुत प्यार

मिला। यद्यपि आपके पिता जी ने
आपका नाम श्री हेरम्ब कुमार
वन्द्योपाध्याय रखा था परन्तु
आपको सभी स्नेह परवश होकर
गणेश नाम से पुकारते थे।





Play Store

SrilaGurudeva